>

Title: Ragarding issue of corruption.

श्री शरद यादव (मधेपुरा): अध्यक्ष जी, मेरा निवेदन है कि क्वेश्चन आवर को चलाने की जगह, भ्रष्टाचार पर बहस आज ही शुरू करनी चाहिए। â€¦(व्यवधान) यदि यह कर दें...(व्यवधान)

SHRI H.D. DEVEGOWDA (HASSAN): Madam, we have given notice for Adjournment Motion. ...(*Interruptions*)

SHRI GURUDAS DASGUPTA (GHATAL): We have given the notice for the suspension of Question Hour. Please listen to us. Please listen to all the leaders....(*Interruptions*)

श्री शरद यादव : संपूर्ण विपक्ष की तरफ से विनती है ...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: All right. Let me just tell you that there is no rule for the Members to ask the suspension of Question Hour. However, as a special case, as I have done last time, I will give some time to hon. Members to speak. But, after that, let me run the Question Hour.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप उसके बाद हाउस रन करने दीजिएगा।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जब आप अपनी बात बोल लेंगे तब हाउस रन करने में क्या हर्ज है?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हाँ, आप को भी बोलने का मौका देंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जिनका नोटिस है हम उनको बुलवा लेते हैं।

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): धन्यवाद, अध्यक्ष जी, हम तीन दिन के अंतराल के बाद आज सदन में इकट्ठे हुए हैं। लेकिन इन तीन दिनों में देश के अलग-अलग स्थानों पर जो कुछ देखने को मिला, वह चिंता पैदा करता है।

अध्यक्ष जी, भ्रष्टाचार के कारण गुस्साए हुए लोग सड़कों पर उतरे और लाखों की संख्या में उतरे। संतोष की बात केवल एक है कि आंदोलन पूरी तरह अहिंसक रहा। लोग अपने हाथ में तिरंगा लेकर अपनी बात कहते थे। लोग भारत माता की जय बोल कर अपनी बात कहते थे। लोग वंदेमातरम का उद्घोष करके अपनी बात कहते थे। लेकिन सरकार यह कह कर अपना पल्ला नहीं झाड़ सकती कि हम क्या करें यह तो आंदोलनकारी कर रहे हैं, क्योंकि इसकी जड़ में सरकार द्वारा किया गया भ्रष्टाचार है। ...(व्यवधान) भ्रष्टाचार के छोटे-मोटे कांड तो आमतौर पर उजागर होते रहते थे लेकिन पिछले एक वर्ष में जितने बड़े व्यापक स्तर पर, जितने बड़े पैमान पर, जितनी बड़ी राशि के भ्रष्टाचार के कांड उजागर हुए और एक के बाद एक उजागर होते चले गए यह उसका परिणाम है कि आज लोग सड़कों पर उतरे हुए हैं। अध्यक्ष जी, आदर्श सोसायटी थमा नहीं कि टू-जी आ गया, टू-जी थमा नहीं कि सीडब्ल्यूजी आ गया, सीडब्ल्यूजी थमा नहीं कि एयर इंडिया आ गया, एयर इंडिया थमा नहीं कि केजी बेसिन आ गया। ...(व्यवधान)

अध्यक्षा जी, लोग यह कहते हैं कि एक तरफ करोड़ों का धन विदेशी बैंकों में जमा है और दूसरी तरफ गली की नाली और गांव का खड़ंजा बनवाने के लिए हम आवेदन देते-देते थक जाते हैं, लेकिन सरकार कहती है कि पैसा उपलब्ध नहीं है, राशि उपलब्ध नहीं है। हमें देखना होगा कि आखिर यह गुस्सा किस पर है और इस भ्रष्टाचार के बाद इस आग में घी डालने का काम उस सरकारी लोकपाल बिल के ड्राफ्ट ने किया है जो लचर और पिलपिला है। एक ऐसा बिल जिसके न दांत हैं न आंत है।...(व्यवधान) एक ऐसा बिल इस सरकार ने पेश किया है।

आपको याद होगा कि इसके इंट्रोडक्शन के समय भी मैंने खड़े होकर कहा था कि यह एकदम निष्प्रभावी बिल है। वह बिल जिसके दायरे में प्रधान मंत्री नहीं हैं, वह बिल जो सरकारी बाहुल्य कमेटी से लोकपाल को चुनता है, जो बिल सरकार द्वारा लोकपाल को हटाने का प्रावधान करता है। सरकारी बाहुल्य जिस कमेटी में होता है, उसमें विमत को किस तरह दरकिनार किया जाता है, यह मुझसे ज्यादा कौन जानेगा। मैं स्वयं भुक्तभोगी हूं। केवल वह कमेटी जहां हम तीन मैम्बर्स थे, वहां विमत को दरकिनार करके जिस तरह सीवीसी को अपाइंट किया गया था, नियुक्त किया गया था, उसका प्रत्यक्ष प्रमाण मैं हूं। प्रधान मंत्री, गृह मंत्री और मैं उस

कमेटी के सदस्य थे।...(व्यवधान) मैं अपनी पूरी तर्कसंगत बात कहती रही।...(व्यवधान)

संसदीय कार्य मंत्री तथा जल संसाधन मंत्री (श्री पवन कुमार बंसल): अध्यक्ष महोदया, आप डिस्कशन करवा दीजिए।...(व्यवधान) इनका नोटिस कुछ और है और बात कुछ और हो रही है।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : नोटिस यही है कि पिछले तीन दिनों में क्या हुआ?...(व्यवधान) मेरा नोटिस यही है।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : अध्यक्ष महोदया, भ्रष्टाचार पर डिस्कशन शुरू करवा दीजिए।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मेरा नोटिस यही है।...(व्यवधान)

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Let this be converted into a discussion on corruption under Rule 193....(*Interruptions*) इन्हें शुरू करने दीजिए।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : आप मेरा नोटिस पढ़िए।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : आप नाजायज फायदा उठाती हैं। आप बात कुछ कहती हैं और करती कुछ और हैं।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज अध्यक्षा जी, मेरा नोटिस क्या है?...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मैडम, मैं यही कहना चाहता हूं कि इस ढंग से नहीं कि सरकार के खिलाफ गलत बात करें।...(व्यवधान) यह बात ऐसी है -- 'न जाने कैसे यह दिल बहलाते हैं, जो खुद नहीं समझे औरों को समझाते हैं।'...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, आप मेरे नोटिस की भाषा संसदीय कार्य मंत्री जी को पढ़वा दीजिए।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मैडम, मैं सरकार की तरफ से अभी कहता हूं कि सुषमा जी अपनी स्पीच चालू रखें, लेकिन आप इसी को एकदम नियम 193 में कन्वर्ट करके भ्रष्टाचार पर एक रैगुलर डिबेट शुरू करवा दीजिए।...(व्यवधान) यह नहीं कि ये कुछ कह देंगे। एक जगह कहते हैं कि सात जगह इनकी सरकारें हैं। इनकी सरकारों में कहां, क्या हो रहा है, उसका जिक्र नहीं कर रही हैं। यह दिखा रही हैं कि यहां हो रहा है।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मेरा नोटिस पहले इन्हें पढ़वा दीजिए।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : श्री येदयुरप्पा का क्या हुआ, उत्तराखंड में क्या हो रहा है, उनका जिक्र नहीं कर रही हैं।...(व्यवधान) ऐसा नहीं है।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मेरे नोटिस का कन्टैंट इन्हें पढ़वा दीजिए।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मैडम, इन्होंने नोटिस कुछ और दिया था। नोटिस यह दिया था कि जो विकट स्थिति पैदा हुई है...(व्यवधान) हम सोच रहे थे...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हम नियम 193 के अंतर्गत डिस्कशन शुरू कर लेते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मैडम, यह तो पुरानी फितरत के तहत बात हो रही है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप नियम 193 के अंतर्गत यह डिस्कशन ले लीजिए। उसमें सब पार्टीज का पार्टीसिपेशन हो जाएगा।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : नहीं, मेरा नोटिस केवल प्रश्न काल स्थगन का है और मेरे नोटिस में यह कन्टैंट है। आप मेरे नोटिस का कन्टैंट उन्हें पढ़कर बता दीजिए। पिछले तीन दिनों में जो घटनाएं घटी हैं, मैंने केवल उसके ऊपर नोटिस दिया है।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मैं आपका नोटिस पढ़ देता हूं -- 'देश में बहुत विकट परिस्थिति का निर्माण हो रहा है। लाखों लोग सड़कों पर उतर रहे हैं। मैं आज प्रश्न काल स्थगित करके इस विषय को उठाना चाहती हूं।' आप बात कुछ और कह रही हैं, नोटिस कुछ और है।...(व्यवधान) बिल्कुल अंतर है।...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं यही विषय उठाना चाहती हूं।...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : मैडम, हमें ख्याल था कि यह बात कहेंगी कि कैसे इसे सुलझाया जा सकता है।...(व्यवधान) लेकिन यहां सिर्फ वही उंगली उठाई जा रही है और गलत उठाई जा रही है। मैंने जो कहा था, मैं वही फिर दोहरा रहा हूं -- 'न जाने कैसे यह दिल बहलाते हैं, जो खुद नहीं समझे, औरों को समझाते हैं।' यह क्या कर रही हैं।...(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मेरा प्रश्न काल स्थगन का नोटिस ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : कृपया आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मेरा प्रश्न काल का नोटिस, जो परिस्थिति पिछले तीन दिनों में निर्मित हुई है, उस पर है। ...(व्यवधान)

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरीश रावत): आप नियम 193 के अन्तर्गत इस पर बहस शुरू कीजिए। ...(व्यवधान) आप रेगुलर डिबेट से क्यों भाग रहे हैं? ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : अध्यक्षा जी, मेरा नोटिस, पिछले तीन दिनों में जो परिस्थिति निर्मित हुई है, उस पर है। इसलिए मैंने प्रश्न काल स्थगन की बात की। पिछले तीन दिनों में जिस परिस्थिति का निर्माण हुआ है, उस पर मैं बोल रही हूं। हम भ्रष्टाचार पर चर्चा करेंगे। अगर आपको आज भ्रष्टाचार पर चर्चा शुरू करनी है, तो आज 12 बजे शुरू कर दीजिए। ...(व्यवधान) अगर कल करनी है, तो कल नियम 193 के अन्तर्गत भ्रष्टाचार पर चर्चा शुरू कर दीजिए। ...(व्यवधान) हमारी तरफ से डॉ. जोशी भ्रष्टाचार के विषय पर बोलेंगे। ...(व्यवधान) आप यदि यह चर्चा आज 12 बजे शुरू करना चाहते हैं, तो 12 बजे कर लीजिए। ...(व्यवधान) अगर कल करना चाहते हैं, तो कल कर लीजिए। ...(व्यवधान) मेरा प्रश्न काल स्थगन का नोटिस, पिछले तीन दिनों में जो परिस्थिति निर्मित हुई है, उस पर है। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : हमने रूलिंग दे दी है।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: The House stands adjourned to meet again at 12 o'clock.

11.11 hrs

The Lok Sabha then adjourned till Twelve

of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled at Twelve of the Clock.

(Madam Speaker *in the Chair*)